



IIM Raipur welcomes Assam Students to Experience the Rich Culture of Chhattisgarh under Yuva Sangam Phase V

Or

IIM Raipur Paves the Way for Cultural Synergy for Assam Students with Yuva Sangam Phase V

Or

IIM Raipur facilitates Assam Youth to Connect with Chhattisgarh under Yuva Sangam Phase V

Raipur, December 26, 2024: Indian Institute of Management (IIM) Raipur recognised for #buildingbusinessowners, welcomed a delegation of 45 students and five coordinators from Assam University, Silchar, as part of the Ministry of Education's flagship program, Yuva Sangam Phase-V, under the Ek Bharat Shreshtha Bharat initiative. This cultural exchange program will run from December 26 to 30, 2024 and aims to foster connections among youth through shared experiences in tourism, traditions, development, and technology.

The inaugural ceremony, held at IIM Raipur, was graced by Shri Sanjeev Kumar, DRM of North Central Railway, as the Chief Guest. Shri Kumar inspired the students to explore India's diverse heritage and culture through such programs. He said, "India's strength lies in its diversity, and programs like Yuva Sangam provide a wonderful platform for young minds to explore, experience, and embrace our nation's rich heritage and culture. I encourage each of you to travel extensively, as it will not only broaden your perspective but also strengthen the bonds of unity that define our country."

Prof. Ram Kumar Kakani, Director of IIM Raipur, warmly welcomed the delegation and emphasized the importance of leveraging this opportunity to deepen understanding and unity among India's youth. He added, "It is a privilege to host the enthusiastic students from Assam at IIM Raipur under the transformative Yuva Sangam initiative. This program, spearheaded by the Ministry of Education, is a golden opportunity to foster mutual learning, cultural exchange, and deep connections between regions. The rich culture of Chhattisgarh has a lot to offer. I urge the delegates to make the most of this experience and carry back memories and lessons that will last a lifetime."



As part of the event, program kits were distributed to the delegates, marking the beginning of an enriching five-day journey exploring the culture and traditions of Chhattisgarh. This exchange program strengthens the bonds between Assam and Chhattisgarh, with IIM Raipur and Assam University, Silchar, as the nodal institutions facilitating this endeavor.

The meticulously planned 5-day visit for the Yuva Sangam delegates promises an engaging and enriching experience as they delve into the diverse cultural, historical, and developmental aspects of Chhattisgarh. Starting with ice-breaking activities at IIM Raipur, the cohort will be introduced to the vibrant traditions of the state through workshops and captivating Chhattisgarhi folk performances. The itinerary includes visits to iconic sites such as the Sirpur Archaeological Site and the Barnavapara Wildlife Sanctuary, showcasing the state's heritage and natural beauty. Delegates will explore industrial growth at the Bhilai Steel Plant and visit the Purkhooti Mukangan, reflecting the state's cultural richness. The program also encompasses interaction with the Governor, visits to prominent landmarks like the State Museum and the Governor House, and a city tour covering Budha Talaab and Vivekananda Sarovar. Culminating in a yoga session and a movie screening, the visit ensures holistic exposure to Chhattisgarh's tourism, traditions, and advancements, leaving participants with unforgettable memories and valuable learnings.

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, in 2023, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, visit: www.iimraipur.ac.in





आईआईएम रायपुर ने युवा संगम फेज-5 के तहत असम के छात्रों का स्वागत किया, छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति से कराई परिचय

या

आईआईएम रायपुर ने युवा संगम फेज-5 के तहत असम के छात्रों के लिए सांस्कृतिक तालमेल का मार्ग प्रशस्त किया

या

आईआईएम रायपुर ने युवा संगम फेज-5 के माध्यम से असम के युवाओं को छत्तीसगढ़ से जुड़ने का अवसर प्रदान किया

रायपुर, 26 दिसंबर 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर, जो #बिल्डिंगबिज़नेसओनर्स के लिए जाना जाता है, ने शिक्षा मंत्रालय की प्रमुख योजना, **एक भारत श्रेष्ठ भारत** पहल के तहत युवा संगम फेज-5 में हिस्सा लेने आए असम विश्वविद्यालय, सिलचर के 45 छात्रों और 5 समन्वयकों का स्वागत किया। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2024 तक चलेगा और इसका उद्देश्य पर्यटन, परंपराओं, विकास और प्रौद्योगिकी में साझा अनुभवों के माध्यम से युवाओं के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देना है।

भा.प्र.सं. रायपुर में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) श्री संजीव कुमार ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने छात्रों को भारत की विविध धरोहर और संस्कृति को समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, "भारत की ताकत उसकी विविधता में है, और युवा संगम जैसे कार्यक्रम युवा मनो को हमारे देश की समृद्ध विरासत और संस्कृति को समझने और अपनाने का एक अद्भुत मंच प्रदान करते हैं। मैं आप सभी को अधिक से अधिक यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ, क्योंकि यह न केवल आपके दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगा बल्कि हमारे देश की एकता को भी मजबूत करेगा।"

भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने उत्साहपूर्वक असम के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और भारत के युवाओं के बीच समझ और एकता को गहरा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "भा.प्र.सं. रायपुर में असम के उत्साही छात्रों की मेजबानी करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित यह युवा संगम कार्यक्रम पारस्परिक सीख, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रों के बीच गहरे संबंधों को बढ़ावा देने का एक स्वर्णिम अवसर है। छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति में अनुभव करने के लिए बहुत कुछ है। मैं प्रतिनिधियों से आग्रह करता हूँ कि वे इस अनुभव का पूरा लाभ उठाएं और अपने साथ यादगार और जीवनभर के अनुभव लेकर जाएं।"

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रतिनिधियों को किट वितरित की गई, जिससे इस समृद्ध पांच दिवसीय यात्रा की शुरुआत हुई। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम असम और छत्तीसगढ़ के बीच संबंधों को मजबूत करता है, जिसमें आईआईएम रायपुर और असम विश्वविद्यालय, सिलचर, इस पहल को बढ़ावा देने वाले प्रमुख संस्थान हैं।



युवा संगम के प्रतिनिधियों के लिए यह पांच दिवसीय यात्रा छत्तीसगढ़ के विविध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और विकासात्मक पहलुओं में गहराई से अनुभव करने का वादा करती है। भा.प्र.सं. रायपुर में परिचयात्मक गतिविधियों के साथ शुरू होकर, प्रतिनिधियों को कार्यशालाओं और आकर्षक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्यों के माध्यम से राज्य की जीवंत परंपराओं से अवगत कराया जाएगा। यात्रा के दौरान प्रतिनिधि सिरपुर पुरातात्विक स्थल, बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य जैसी ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर स्थलों का दौरा करेंगे। वे भिलाई इस्पात संयंत्र में औद्योगिक प्रगति को देखेंगे और पुरखौती मुक्तांगन में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि को समझेंगे। इस कार्यक्रम में राज्यपाल से संवाद, राज्य संग्रहालय और राज्यपाल भवन की यात्रा, और बुधा तालाब और विवेकानंद सरोवर जैसे प्रमुख स्थलों का भ्रमण भी शामिल है। कार्यक्रम का समापन योग सत्र और फिल्म प्रदर्शन के साथ होगा, जिससे प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की पर्यटन, परंपराओं और प्रगति का संपूर्ण अनुभव मिलेगा।

भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील नेताओं को तैयार करता है और उन्हें अपने व्यवसाय क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान, अनुभव और अमूल्य संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों से शक्ति मिलती है। 2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने महत्वपूर्ण रैंकिंग हासिल की, जिसमें एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वां स्थान, 2023 में सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान, और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान शामिल है। छत्तीसगढ़ के हृदय में स्थित, नया रायपुर में हमारा अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ सहजता से जोड़ता है, जिससे एक अनूठा और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण तैयार होता है।

अधिक जानकारी के लिए, www.iimraipur.ac.in पर जाएं।









